दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-१९६ वा | सोमवार १७ फ़रवरी २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

भारत में कदम न रखने की कसम खाने वाले जर्मन निवेशक लूथर को ८०० करोड़ की पूंजी के साथ महाराष्ट्र में लाने वाले 'एल्यूमिनियम मैन' भरत गित्ते के 'फौलादी' इरादे

परली से १०० नए उद्योगपति तैयार करूंगा-भरत गित्ते

परली, (तामीर न्यूज) - ईमानदारी और अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठावान रहकर सफलता हासिल की जा सकती है, लेकिन इसके लिए निराशा को दूर करना जरूरी है। हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक होना चाहिए, तभी किसी भी क्षेत्र में सफलता संभव है। परली के लोगों, निराशा छोड़ो और अपना रोल मॉडल बदलो - सफलता निश्चित है।

यह प्रेरणादायक संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले उद्योगपति और परली के बेटे, भरत गित्ते ने परली के नागरिकों को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने कहा कि परली में एक उद्योग लगाने के बजाय, मैं १०० नए उद्यमी तैयार करने का संकल्प लेकर काम कर रहा हूं।

इस मौके पर भरत गित्ते ने अपने संघर्ष की कहानी साझा करते हुए बताया कि कुछ साल पहले जर्मनी के निवेशक लूथर और उनके बेटे ने भारत का दौरा किया था। लेकिन यहां की गरीबी, गंदगी और अव्यवस्था देखकर उन्होंने कसम खाई थी कि वे दोबारा भारत नहीं आएंगे।

लेकिन जिद्दी युवक भरत ने जो कि जर्मन भाषा के जानकार और जर्मनी में शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं उन्होंने लूथर परिवार की गलतफहमी दूर की और उन्हें महाराष्ट्र में उद्योग स्थापित करने के फायदों को समझाकर निवेश के लिए राजी किया।

जिस पर लूथर परिवार ने महाराष्ट्र में ८०० करोड़ का निवेश किया।

गौरतलब है कि हाल ही में जर्मनी के दावोस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय उद्योगिक सम्मेलन और विदेशी निवेश बैठक में भरत गित्ते, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ मौजूद थे। उनकी कंपनी ने अहमदनगर के पास सुपा में एक एल्यूमिनियम प्रोजेक्ट में ५०० करोड़ के निवेश की घोषणा की, जिससे १००० से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

परली के इस चमकते सितारे को भव्य सम्मान 'तौर ल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के एमडी और सीईओ भरत गित्ते, जिन्होंने उद्योग जगत में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई, को १६ फरवरी को परली के नागरिकों द्वारा भव्य सम्मान से नवाजा गया। इस कार्यक्रम में पहली बार 'प्रकट मुलाकात' (ओपन इंटरव्यू) का आयोजन किया गया।

यह सिर्फ सम्मान समारोह नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक और ऐतिहासिक 'भरतभेट' थी। इस मौके पर पूर्व नगराध्यक्ष बाजीराव भैय्या धर्माधिकारी और प्रो. डॉ. राजकुमार यल्लावाड ने भरत गित्ते से बातचीत करते हुए उनके संघर्ष और सफलता की अनसुनी कहानियां उजागर कीं।

महाराष्ट्र सरकार के साथ करार, परली के लिए गर्व का क्षण परली के इस होनहार उद्योगपति भरत गित्ते ने एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी के प्रमुख के रूप में महाराष्ट्र सरकार के साथ समझौता (चेण) किया। यह परली के नागरिकों के लिए गर्व का क्षण था। इस उपलब्धि ने परली की प्रतिभा और क्षमताओं को उजागर किया।

गहरी और भावुक करने वाली बातचीत

समारोह में भरत गित्ते को शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो. पवन मुंडे ने स्वागत भाषण दिया।

इसके बाद बाजीराव भैय्या धर्माधिकारी और प्रो. डॉ. राजकुमार यल्लावाड ने भरत गित्ते से खुले संवाद के माध्यम से उनके सफर, संघर्ष और उपलब्धियों पर चर्चा की। बातचीत में उनके बचपन से लेकर जर्मनी तक की यात्रा, मातृभूमि से लगाव, किसान पुत्र से 'एल्यूमिनियम मैन' बनने की कहानी, स्टार्टअप से अंतरराष्ट्रीय उद्योगपति बनने तक के सफर, और परली के नवोदित उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण सुझावों पर चर्चा हुई। परली में उद्योग या १०० नए उद्योगपति?

अपने ओपन इंटरव्यू में भरत गित्ते ने स्पष्ट कहा कि वे जात-पात और क्षेत्रवाद में विश्वास नहीं रखते। जहां भी उन्हें प्रतिभाशाली और मेहनती लोग मिलते हैं, वे उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लेते हैं। परली में किसी उद्योग की स्थापना को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, मैं परली में किसी एक फैक्ट्री की स्थापना करने के बजाय १०० नए उद्योगपति तैयार करना पसंद करूंगा, जो देशभर में अपने उद्योग स्थापित करें।

उन्होंने दिवंगत गोपीनाथ मुंडे को याद करते हुए कहा कि मुंडे साहब, शिरसाला में चखऊऊ स्थापित करना चाहते थे। मुझे उम्मीद है कि पंकजा मुंडे और धनंजय मुंडे उनके इस सपने को पूरा करेंगे।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का मिला सहयोगभरत गित्ते ने अपनी सफलता में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विशेष सहयोग का उल्लेख भी किया।परली के लिए ऐतिहासिक क्षणइस पूरे सम्मान समारोह में भरत गित्ते कभी भावुक नजर आए, तो कभी अपनी स्पष्टवादिता से सभी को प्रेरित किया। इस आयोजन को भव्य, प्रेरणादायक और अविस्मरणीय बनाने में आयोजन समिति की बेहतरीन योजना और मंच सज्जा का भी योगदान रहा।

कार्यक्रम का संचालन महेश मुंडे ने किया। इस अवसर पर परली के राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद, व्यापारी, पत्रकार, डॉक्टर, सरस्वती स्कूल के पूर्व और वर्तमान शिक्षक, और भरत गित्ते के बचपन के मित्रों सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।३

सफलता का राज़....

दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखें

एक सवाल के जवाब में गीते ने कहा कि दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखें और अपनी मनमानी न करें।

अपना एक अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि जब वे जर्मनी में थे, तो एक बार प्याज खाने पर उनके साथियों ने नापसंदगी जाहिर की। इसके बाद से उन्होंने जर्मनी में कभी प्याज नहीं खाया।

इसके अलावा, वे जिस भी देश में जाते हैं, वहां के कानून और संस्कृति का सम्मान करते हैं और मेहनत व ईमानदारी से अपना पूरा योगदान देते हैं।

बीड़ में जल संकट पर संदीप शरसागर की अजित पवारसे मुलाकात पर राजनीति तलाशने वाले मीडिया पर दादा नाराज़

मुंबई (संवाददाता) - रमजान और अन्य त्योहारों की आमद के साथ ही भीषण गर्मी शुरू हो गई है, जिससे बीड़ शहर में पेयजल संकट और अधिक गंभीर हो गया है। पहले १० दिनों में एक बार और अब दो-दो हफ्तों तक पानी की आपूर्ति नहीं होने से जनता परेशान है। इसी समस्या को लेकर जूनर में विधायक संदीप शरसागर और पूर्व विधायक सैयद सलीम ने उपमुख्यमंत्री एवं बीड़ के संपर्क मंत्री अजित पवार से मुलाकात कर समाधान की मांग की। इस पर पवार ने तुरंत संबंधित विभागों और अधिकारियों से चर्चा की।

हालांकि, शरद पवार गुट के विधायक संदीप शरसागर की अजित पवार से मुलाकात को लेकर के कुछ खोजी पत्रकारों ने इसमें राजनीतिक जोड़-तोड़ की तलाश शुरू कर दी और पवार से इस मुलाकात का कारण जानना चाहा। इस पर अजित पवार पत्रकारों पर खासे नाराज़ दिखे और उन्होंने स्पष्ट कहा कि बीड़ शहर में २१ दिनों के अंतराल पर पानी मिल रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए शरसागर मुझसे मिले, क्योंकि मैं बीड़ का संपर्क मंत्री भी हूं। एक समय हम भी अपने संपर्क मंत्री चंद्रकांत पाटिल से मिला करते थे। अजित पवार की इस साफगोई पर पत्रकार भी निरुत्तर हो गए।

फैसल चावस बने मलिया बॉयज हाई स्कूल किला बीड़ के प्रधानाध्यापक इस अवसर पर उनका स्वागत सचिव सुब्हिया खानम बाजी और स्कूल के सभी शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय स्टाफ द्वारा किया गया। (फोटो कैप्शन रिपोर्ट: क़ाज़ी नासिर)

बीड के जलापूर्ति मुद्दे पर विधायक संदीप क्षीरसागरने फिर की अजित दादा पवार से मुलाकात

गर्मी से पहले सुचारू जलापूर्ति के लिए विधायक क्षीरसागर का प्रयास जारी

जुन्नर, १६ फरवरी (प्रतिनिधि) - बीड शहर की सुचारू जलापूर्ति के लिए विधायक संदीप क्षीरसागर लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में रविवार (१६ फरवरी) को उन्होंने जुन्नर में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं बीड जिले के संपर्क मंत्री अजित दादा पवार से दूसरी बार मुलाकात की।

बीड शहर को जलापूर्ति के लिए अमृत अटल योजना, बिंदुसरा बांध और माजलगांव बैकवॉटर में पर्याप्त पानी उपलब्ध है। लेकिन नगर परिषद पर महावितरण कंपनी का ३६ करोड़ रुपये का बकाया बिजली बिल होने के कारण, अमृत अटल जलापूर्ति योजना के लिए आवश्यक नया बिजली कनेक्शन जारी नहीं किया जा रहा है। इस वजह से, पानी उपलब्ध होने के बावजूद बीड शहर को पर्याप्त जलापूर्ति नहीं मिल रही है।

इस गंभीर मुद्दे को विधायक संदीप क्षीरसागर पिछले कई दिनों से विधानमंडल सत्र, सरकार, प्रशासनिक स्तर और न्यायालय में मजबूती से उठा रहे हैं। सौभाग्य से, अब बीड जिले की संपर्क मंत्री की जिम्मेदारी अजित दादा पवार के पास है, इसलिए विधायक क्षीरसागर इस विषय पर उनसे लगातार न्याय की मांग कर रहे हैं। दो हफ्ते पहले उन्होंने मुंबई में अजित दादा से इस मामले पर चर्चा की थी, और अब एक बार फिर रविवार को जुन्नर में उनसे मुलाकात की।

इस दौरान अजित दादा पवार ने विद्युत विभाग के प्रबंध निदेशक को इस समस्या का शीघ्र समाधान निकालने के निर्देश दिए हैं। विधायक संदीप क्षीरसागर ने भरोसा जताया कि गर्मी से पहले अजित दादा पवार के प्रयासों से बीड शहर की जलापूर्ति सुचारू हो जाएगी और वर्षों से चली आ रही इस बुनियादी समस्या का समाधान होगा। इस मुलाकात में माजी विधायक सय्यद सलीम भी साथ थे ।

जिल्हाधिकारी कार्यालय, बीड़ (नियोजन विभाग)

डॉ. जाकीर हुसेन मदरसा आधुनिकीकरण योजना

अल्पसंख्याक विकास विभाग के शासन निर्णय दिनांक ११-१०-२०१३ के अनुसार, राज्य में मदरसों के आधुनिकीकरण हेतु आधारभूत सुविधाओं का निर्माण, ग्रंथालयों के लिए अनुदान, शिक्षकों के लिए मानधन इत्यादि लाभ प्रदान करने हेतु सदर योजना वर्ष २०१३-१४ से कार्यान्वित है।

इस योजना के तहत वर्ष २०२४-२५ के लिए रबी अधिवेशन में अल्पसंख्याक विकास विभाग, परिविक्षण अविवा-२०२४/प्र.क्र.६७/का.६, दिनांक १३-०२-२०२५ के तहत नए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

इसी के अंतर्गत इच्छुक मदरसों को डॉ. जाकीर हुसेन मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत आवेदन देने का अवसर दिया जा रहा है।

शासन निर्णय क्र. अविवा-२०२४/प्र.क्र.१५२/१०/का.६, दिनांक ११.१०.२०१३ के अनुसार, पूर्ण प्रस्ताव जिला नियोजन अधिकारी, जिला नियोजन समिति, बीड़ को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथियाँ निम्नलिखित हैं:

दिनांक १५ फरवरी २०२५ से २२ फरवरी २०२५
अंतिम समय - दोपहर ५:०० बजे तक
प्रस्ताव शासन परिविक्षण दिनांक १३-०२-२०२५ तक प्रस्तुत किया जाएगा।

विशेष मांगें:
पेयजल की सुविधा
(वॉटर प्यूरिफायर की सुविधा)
इंटरनेट सुविधा

महत्वपूर्ण सूचना:
निर्दिष्ट समय सीमा के बाद प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा।
इच्छुक मदरसे जल्द से जल्द आवेदन करें।

जिल्हाधिकारी कार्यालय, बीड़ (नियोजन विभाग)

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

उर्दू-समाज में मोहब्बत बढ़ाकर रिश्तों को मजबूत करने वाली ज़बान-प्रो. इसहाक मुजावर

अखिल भारतीय उर्दू साहित्य सम्मेलन द्वारा 'यौमे उर्दू' का आयोजन

सोलापुर (मोहम्मद मुस्लिम कबीर) – उर्दू भाषा किसी एक वर्ग की भाषा नहीं, बल्कि यह एक ऐसी ज़बान है जो सभी वर्गों के बीच प्रेम बढ़ाकर अटूट रिश्ता कायम करती है। मोटिवेशनल स्पीकर और ट्रेनर प्रोफेसर इसहाक मुजावर ने कहा कि उर्दू भाषा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है। वे अखिल भारतीय उर्दू साहित्य सम्मेलन द्वारा 'यौमे उर्दू' के अवसर पर आयोजित 'प्रमाणपत्र वितरण समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सोलापुर के प्रसिद्ध शायर बशीर परवेज़ ने की, जबकि सोशल कॉलेज के प्राचार्य ए. जे. तंबोली विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान के ट्रस्टी प्रो. रियाज़ विलासंगकर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और पुरस्कार देने का उद्देश्य बताया। उन्होंने संस्थान द्वारा अब तक किए गए कार्यों की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर आनंद रघुनाथ देशपांडे को, जिनकी मातृभाषा अलग होने के बावजूद उर्दू से जुड़ाव और प्रेम को देखते हुए 'उर्दू दोस्त अवॉर्ड' से नवाजा गया। साथ ही, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए आसिफ इकबाल शेख, और साहित्यिक योगदान के लिए इरफान कारीगर को यादगार ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और ५००० रुपये नकद देकर 'कारनामा-ए-हयात अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।अपने अध्यक्षीय भाषण में शायर बशीर परवेज़ ने कहा कि उर्दू भाषा हमारे देश में जन्मी भाषा है, जो दिलों को जोड़ती है, मोहब्बत और भाईचारे को बढ़ावा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. गोपीचंद नारंग ने इस भाषा को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इस अवसर पर सम्मानित लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान के अध्यक्ष यू. एन. बेरिया ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान वकार शेख, एम. शफी कैप्टन, प्रो. हारून बंदूकवाला, नासिर अलंदकर, जावेद उस्ताद, याकूब मंगलगेरी, प्रो. जब्बार शेख, रफीक नलामंदो सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी और उर्दू साहित्य प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. रियाज़ विलासंगकर ने किया, जबकि एम. हुसैन बख्शी ने आभार व्यक्त किया।

मुलाकात पर हो रही राजनीति लोकतंत्र के लिए सही नहीं-फडणवीस

मुंडे-धस मुलाकात पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रतिक्रिया

जलगांव, १६ फरवरी (प्रतिनिधि) – दो दिन पहले धनंजय मुंडे और विधायक सुरेश धस की मुलाकात की खबर मीडिया में सामने आने के बाद सोशल मीडिया और विपक्ष की ओर से सुरेश धस पर तीखा हमला किया गया। खास बात यह रही कि मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल ने भी धस पर निशाना साधते हुए उन्हें विश्वासघाती करार दिया।

इस मुलाकात के बाद विपक्ष हमलावर हो गया, जबकि सत्ता पक्ष अपनी सफाई पेश कर रहा है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी इस बैठक पर प्रतिक्रिया दी थी। अब इस मामले पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी जलगांव में पत्रकारों ने सवाल किया।

इस मुलाकात से कोई फर्क नहीं पड़ता – फडणवीस

इस सवाल पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मुलाकात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मुलाकातों को लेकर जो राजनीति हो रही है, वह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर लोकतंत्र में यह तय किया जाए कि कौन किससे मिलेगा या नहीं मिलेगा, तो यह सही नहीं होगा। लोकतंत्र में संवाद बना रहना चाहिए।

धस ने मसाजोग हत्याकांड में स्पष्ट भूमिका निभाई है

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सुरेश धस ने मसाजोग हत्याकांड के मामले में स्पष्ट और सख्त भूमिका निभाई है। यह सभी ने देखा है। जब कोई इतना मजबूत रुख अपनाता है, तो इसका मतलब यह नहीं कि उसे किसी से बातचीत बंद कर देनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि धनंजय मुंडे भी राज्य के मंत्री हैं। अगर कोई विधायक किसी मंत्री से मिलता है, तो इसमें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। सुरेश धस ने खुद कहा है कि उन्होंने धनंजय मुंडे से मुलाकात की, लेकिन उनका एकमात्र उद्देश्य संतोष देशमुख के हत्यारों को सजा दिलाना है। कुछ लोगों को धस के नेतृत्व से परेशानी है

फडणवीस ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोगों को यह समस्या हो रही है कि सुरेश धस इस मामले में आगे क्यों आ रहे हैं? यही वजह है कि वे उन पर हमले कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद मुंडे-धस मुलाकात पर हो रही राजनीति और बढ़ सकती है। अब देखना होगा कि विपक्ष इस पर क्या प्रतिक्रिया देता है।

अब्दुल सत्तार की वजह से मैंने अपना मंत्री पद खो दिया - बीजेपी नेता रावसाहेब दानवे का छलका दर्द, सिलोद में पाकिस्तान जैसी स्थिति

मुंबई, १६ फरवरी (अजीज एजाज) – बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे का दर्द मंत्री पद गंवाने के कई महीनों बाद खुलकर सामने आ गया है। उन्होंने खुलकर कहा कि जब अब्दुल सत्तार मंत्री थे, तब वे अपनी अनियमितताओं के कारण पद से हाथ धो बैठे।

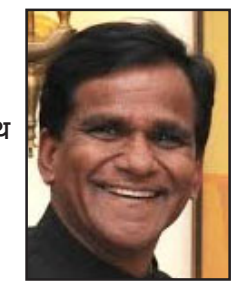

रावसाहेब दानवे ने आगे कहा कि आज भी सिलोद में पाकिस्तान जैसी स्थिति बनी हुई है। वहां महान नेताओं के नाम पर सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा किया जा रहा है और नगर निगम व जिला परिषद के ४-५ प्लॉटों पर अवैध कब्जे कर लिए गए हैं।

मीडिया से बातचीत के दौरान दानवे ने यह भी कहा कि मैं राज्यसभा और विधान परिषद नहीं जाऊंगा। पार्टी ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मेरे दो बेटे विधायक हैं। अगर पार्टी मुझे मौका देती है, तो मैं २०२९ का लोकसभा चुनाव लड़ूंगा।

उन्होंने अब्दुल सत्तार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वे मंत्री थे, तब सभी सरकारी योजनाओं का लाभ केवल एक विशेष विचारधारा के लोगों को दिया जाता था। अन्य लोगों को इसका लाभ न मिलने देना ही उनका विचारधारा थी, जिसका मैं हमेशा विरोध करता रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि मैं ही नहीं, बल्कि सभी लोग अब्दुल सत्तार की नीतियों के खिलाफ हैं।

अंत में रावसाहेब दानवे ने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से अब्दुल सत्तार के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि सिलोद-सोयगांव विधानसभा क्षेत्र के लोग उनके आक्रामक रवैये से बेहद नाराज हैं।

यमुना के पानी में 'जहर' वाले बयान पर अरविंद केजरीवाल की सोनीपत कोर्ट में पेशी

दिल्लीः संवादाता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव प्रचार के दौरान हरियाणा सरकार पर यमुना के पानी में जहर घोलने जैसा गंभीर आरोप लगाया था. इससे नाराज हरियाणा के राई में कार्यरत सिंचाई विभाग के अधिकारी ने सोनीपत सीजेएम कोर्ट में उनके खिलाफ याचिका दायर की थी.

सोनीपत कोर्ट ने उसी मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को १७ फरवरी २०२५ को अदालत में पेश होने का आदेश दिया था. आज इस मसले पर सोनीपत कोर्ट में सुनवाई होगी.

दरअसल, आप प्रमुख के इस बयान को लेकर दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिनों में काफी विवाद हुआ था. सूत्रों से अनुसार अरविंद केजरीवाल आज सोनीपत कोर्ट में पेश होने की उम्मीद है.

फिलहाल, हरियाणा और दिल्ली के लोगों में इस मसले पर अदालत का अगला रुख क्या होता है, को जानने की उत्सुकता है. विरोधी दलों ने भी अरविंद केजरीवाल के इस बयान पर तल्ख प्रतिक्रिया दी थी. बीजेपी ने आप प्रमुख और उनके अन्य नेताओं को इस बात को सही साबित करने की चुनौती दी थी. साथ ही कहा था कि ऐसा न करने पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे.

दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दौर यानी २७ जनवरी २०२५ को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे. उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने ऐसा काम किया है जो पहले कभी नहीं देखा गया. दिल्ली के लोगों को पीने का पानी हरियाणा और यूपी से मिलता है. हरियाणा सरकार ने दिल्ली में आने वाले यमुना के पानी में जहर मिला दिया है.

२४ फरवरी को किसानों के खाते में आएंगे २००० हजार रुपये

नवी दिल्ली। संवादाता

भारत सरकार देश के लोगों के लिए बहुत सारी योजनाएं चलाती है. अलग-अलग लोगों की जरूरत के हिसाब से सरकार अलग-अलग तरह की योजनाएं लेकर आती है. देश की जनसंख्या का आधा से ज्यादा हिस्सा आज भी खेती और किसानी के जरिए ही अपना जीवन बताता है. इसीलिए सरकार खास तौर पर किसानों के लिए भी बहुत तरह की योजनाएं लेकर आती है. देश के ज्यादातर किसान खेती के जरिए बहुत पैसे नहीं कमा पाते.

इस तरह के सीमांत किसानों को भारत सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाती है. इसके लिए भारत सरकार ने साल २०१८ में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी. इस योजना के जरिए सरकार किसानों को सालाना ६००० रुपये की आर्थिक सहायता देती है. योजना में अब तक कुल १८ किस्तें जारी की जा चुकी है. अब किसानों को १९वीं किस्त का इंतजार है. इन किसानों को नहीं मिलेगा १९वीं किस्त का लाभ. जानें क्या है इसके पीछे की वजह.

देश के १३ करोड़ से भी ज्यादा किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की अगली किस्त यानी १९वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अगली किस्त जारी होने को लेकर पहले ही जानकारी साझा कर दी है.

उन्होंने बताया कि इसी महीने यानी फरवरी में ही २४ तारीख को किसानों के खाते में १९वीं किस्त के २००० रुपये भेज दिए जाएंगे. इस किस्त को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जारी करेंगे. बता दें इस किस्त का लाभ कई किसानों को नहीं मिल पाएगा.

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में लाभ ले रहे करोड़ों किसानों को पहले ही इस बारे में सूचना जारी कर दी थी. सभी किसानों को योजना में लाभ लेने के लिए ई केवाईसी करवाना जरूरी होगा. जो किसान ई केवाईसी की प्रक्रिया को पूरा नहीं करवाएंगे उन्हें लाभ मिलने में दिक्कत आ सकती है.

इसीलिए उन किसानों की किस्त के पैसे अटक सकते हैं. जिन्होंने ई केवाईसी नहीं करवाई. और जिन किसानों के खाते में डीबीटी यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की सुविधा बंद है. उनकी भी अगली किस्त अटक के चांस है. बता दें अगली किस्त जारी होने से पहले किसानों को अपने यह सभी काम पूरे करवाने जरूरी हैं.

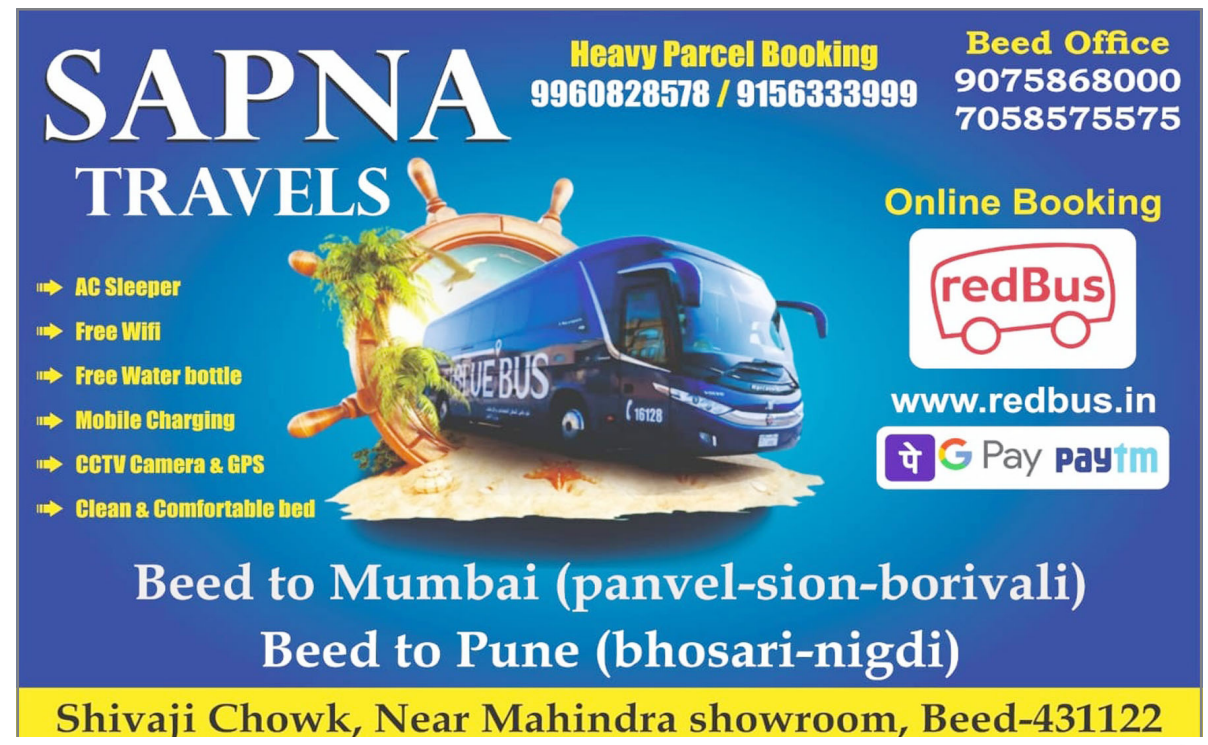

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com